विशेष लेनदेन

विशेष लेनदेन

वृद्ध बार्थलम्यु नैल्ली के पड़ोसी हैं
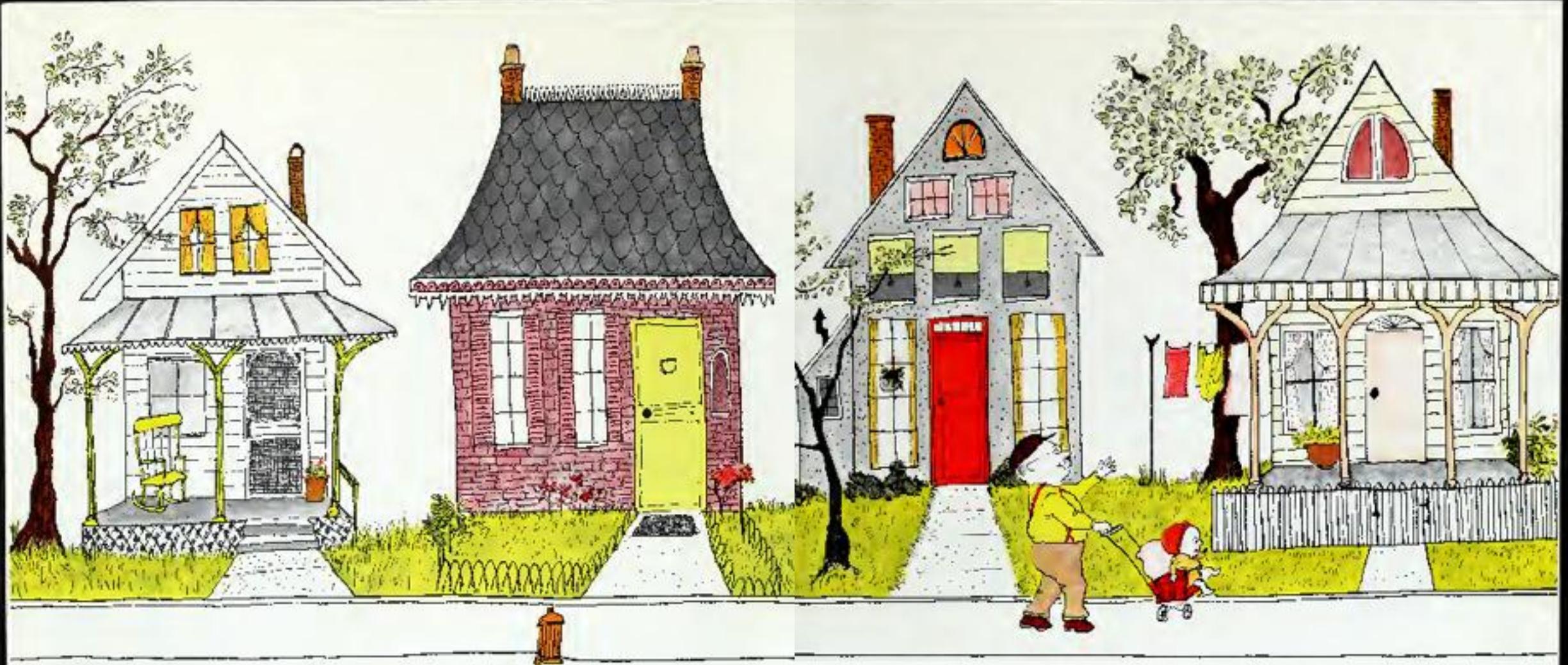
जब नैल्ली बहुत छोटी थी
तो वह हर दिन नैल्ली को मिसेज़ प्रिंगल
के सब्ज़ियों के बगीचे तक
घुमाने ले जाया करते थे.

बार्थलम्यु कभी भी बच्चा-गाड़ी तेज़ न चलते थे.
मिस्टर ओलिवर के वाहनमार्ग पर बना
गति-अवरोधक आता तो वह नेल्ली को सदा
सावधान करते: “ज़ोर से पकड़े रहो, नेल्ल!
गति-अवरोधक आ गया!”
और जैसे ही वह अवरोध पार करते,
नैल्ली चिल्लाती “धम्म्म्म!”

अगर रास्ते में कोई सुंदर कुत्ता उन्हें
मिलता तो वह रुक कर
उसे प्यार करते.
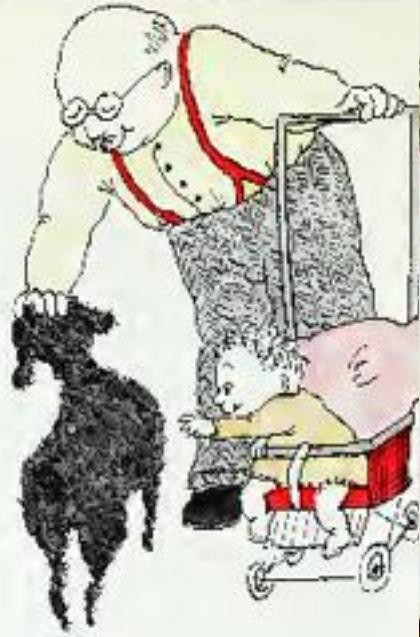
लेकिन अगर कुत्ता शैतान होता
तो बार्थलम्यु उसे दूर भगा देते.

मिसेज़ प्रिंगल को बगीचे में लगा फव्वारा
जब चालू होता, वह कहते, “तैयार हो जाओ,
भा.........गो.”
जैसे ही वह पानी की बौछार के बीच से निकलते,
नैल्ली किलकारी मारती, “व्हहहहही!”

नैल्ली ने जब चलना शुरु किया,
बार्थलम्यु ने उसका हाथ पकड़ लिया.
“नहीं-नहीं!” हाथ छुड़ाते हुए
वह चिल्लाई. नैल्ली को किसी तरह
की कोई सहायता नहीं
चाहिए थी.

इसलिए बार्थलम्यु तभी उसका हाथ
पकड़ते जब वह ऐसा चाहती.
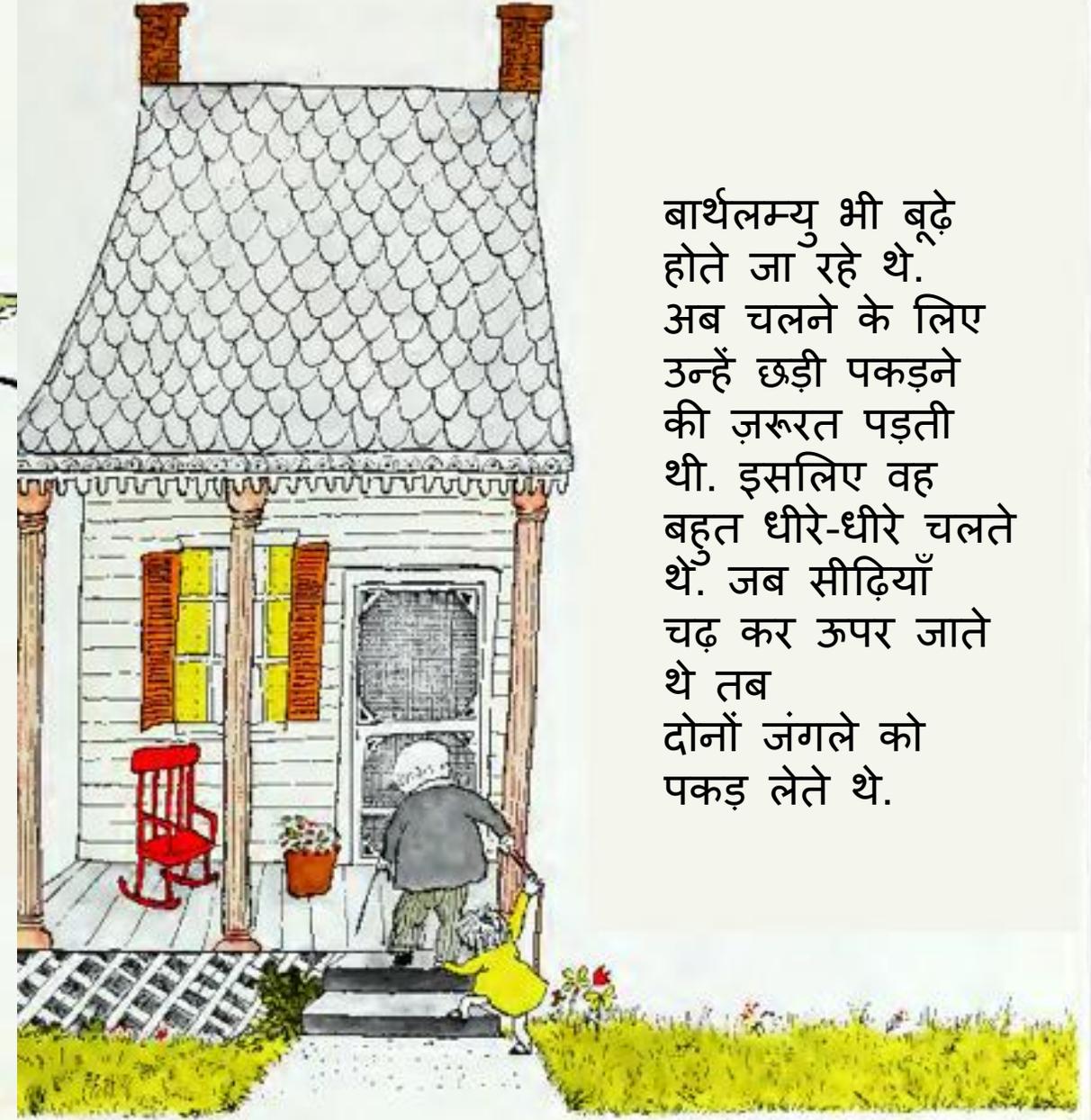
बार्थलम्यु भी बूढ़े
होते जा रहे थे.
अब चलने के लिए
उन्हें छड़ी पकड़ने
की ज़रूरत पड़ती
थी. इसलिए वह
बहुत धीरे-धीरे चलते
थे. जब सीढ़ियाँ
चढ़ कर ऊपर जाते
थे तब
दोनों जंगले को
पकड़ लेते थे.

पड़ोसी उन्हें “हैम और अंडे”
कह कर बुलाते थे क्योंकि
वह दोनों सदा साथ रहते थे.

हैलोवीन की रात में भी.

और सर्दियों के सबसे ठंडे दिन में भी
जब हर कोई घर के भीतर ही रहता.

ग्रीष्म के एक दिन बार्थलम्यु ने नैल्ली को
उनकी छड़ी पकड़ कर स्केटिंग करना सिखाया.
“धीरे से, ध्यान से,” उन्होंने समझाया.

फिर अचानक उनके पाँव के ऊपर से
वह स्केट ले गई. वह गुस्सा न हुए.
उन्होंने बस सीटी बजाई और
अपना पैर रगड़ने लगे.

जब पहली बार नैल्ली बिना सहायता के स्केटिंग करने लगी

वह गिर गई.

बार्थलम्यु समझ गए कि
उसका मन कर रहा था
कि वह रोये. वह बगीचे से
कुछ निकाल कर ले आये और
बोले, "न होना तुम दुःखी,
खा लो यह मूली!"

नैल्ली हँस दी और मूली खाने लगी.
उसे मूली अच्छी न लगती थी
लेकिन उसे बार्थलम्यु बहुत
अच्छे लगते थे.

कुछ समय बाद नैल्ली
स्कूल जाने लगी

और बार्थलम्यु और अधिक
बूढ़े हो गये.

कभी-कभी उन्हें सहायता की
ज़रूरत पड़ती थी, लेकिन किसी की
मदद लेना उन्हें अच्छा न लगता था.

इसलिए नैल्ली तभी
उनका हाथ थामती जब
उन्हें सच में सहायता
की आवश्यकता होती.

जब भी बार्थलम्यु आराम
करने के लिए कहीं रुकते,
नैल्ली उन्हें पुराने दिनों की
कहानी सुनाने के लिए
कहती.

एक बार कहानी सुनने के बाद
नैल्ली ने पूछा, “क्या ऐसा भी दिन
आयेगा जब बात करने के लिए
हमारे पास कोई विषय न होगा?”

“अगर ऐसा हुआ तो,” बार्थलम्यु ने कहा,
“हम चुपचाप एक-दूसरे के पास बैठे रहेंगे.
सच्चे मित्र ऐसा कर सकते हैं.”

कई बार वह दोनों आराम से बरामदे
में बैठे रहते. बार्थलम्यु अपने
हारमोनिका पर कोई धुन बजाते.
नैल्ली उस धुन पर
शब्दों की रचना करती.

एक दिन बार्थलम्यु अकेले ही कहीं
चल दिये. वह सीढ़ियों में गिर गये.
लाल बत्ती से संकेत करती और
सायरन बजाती हुई एक ऐम्बुलेंस आई
और उन्हें अस्पताल ले गई.

वह लंबे समय तक अस्पताल में रहे.

नैल्ली हर दिन उन्हें पत्र लिखती.
वह हर पत्र इस तरह समाप्त करती,
"शीघ्र वापस आइए ताकि
हम फिर से सैर करने जा सकें."

जब बार्थलम्यु घर वापस आये तो
वह व्हील-चेयर पर बैठे हुए थे.
वह उदास थे. “मुझे लगता है कि अब
हम घूमने नहीं जा सकते,” उन्होंने कहा.
“नहीं, ऐसा नहीं है,” नैल्ली बोली.
“अब मैं आपको घुमाने ले जाऊँगी.”

वह जानती थी कि उसे क्या करना था.

ध्यान से और आराम से,

बहुत तेज़ी से नहीं.

मिस्टर ओलिवर के वाहनमार्ग पर
पहुँचने से पहले वह पुकारती,
"झटके के लिए तैयार हो जाओ!"

और गति-अवरोधक पार करते समय
किसी कॉउबॉए के समान बार्थलम्यु
अपनी हैट हिलाते.

अगर रास्ते में कोई सुंदर कुत्ता उन्हें
मिलता तो वह रूक कर उसे प्यार करते.

लेकिन अगर कुत्ता शैतान होता तो
नैल्ली उसे दूर भगा देती.
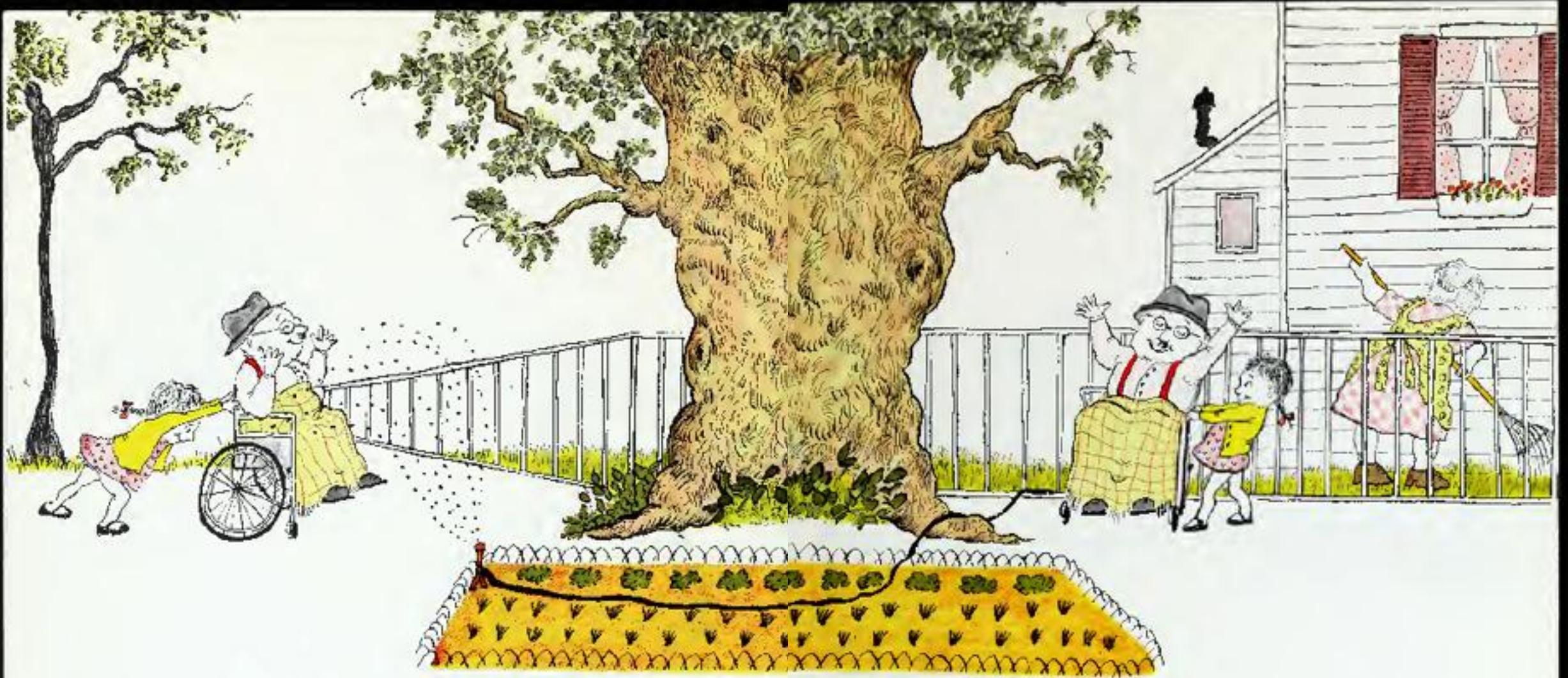
एक दिन जब फव्वारा चल रहा था,
नैल्ली पानी की बौछार से बच कर निकलने लगी.
लेकिन फिर उसने विचार बदल लिया.
“ठीक है, बार्थलम्यु, तैयार हो जाइये,
एक, दो, तीन. भा.....गो!”
और वह उन्हें पानी की बौछार की बीच
से धकेल कर ले गई.

“अहा..... मज़ा आ गया!” बार्थलम्यु ने कहा.
नैल्ली हँसी. “मुझे आशा है कि आपकी व्हील-चेयर
को ज़ंग नहीं लगेगा.”
“किसे परवाह है,” वह ज़ोर से हँसे,
“लगता है तो लग जाये!”
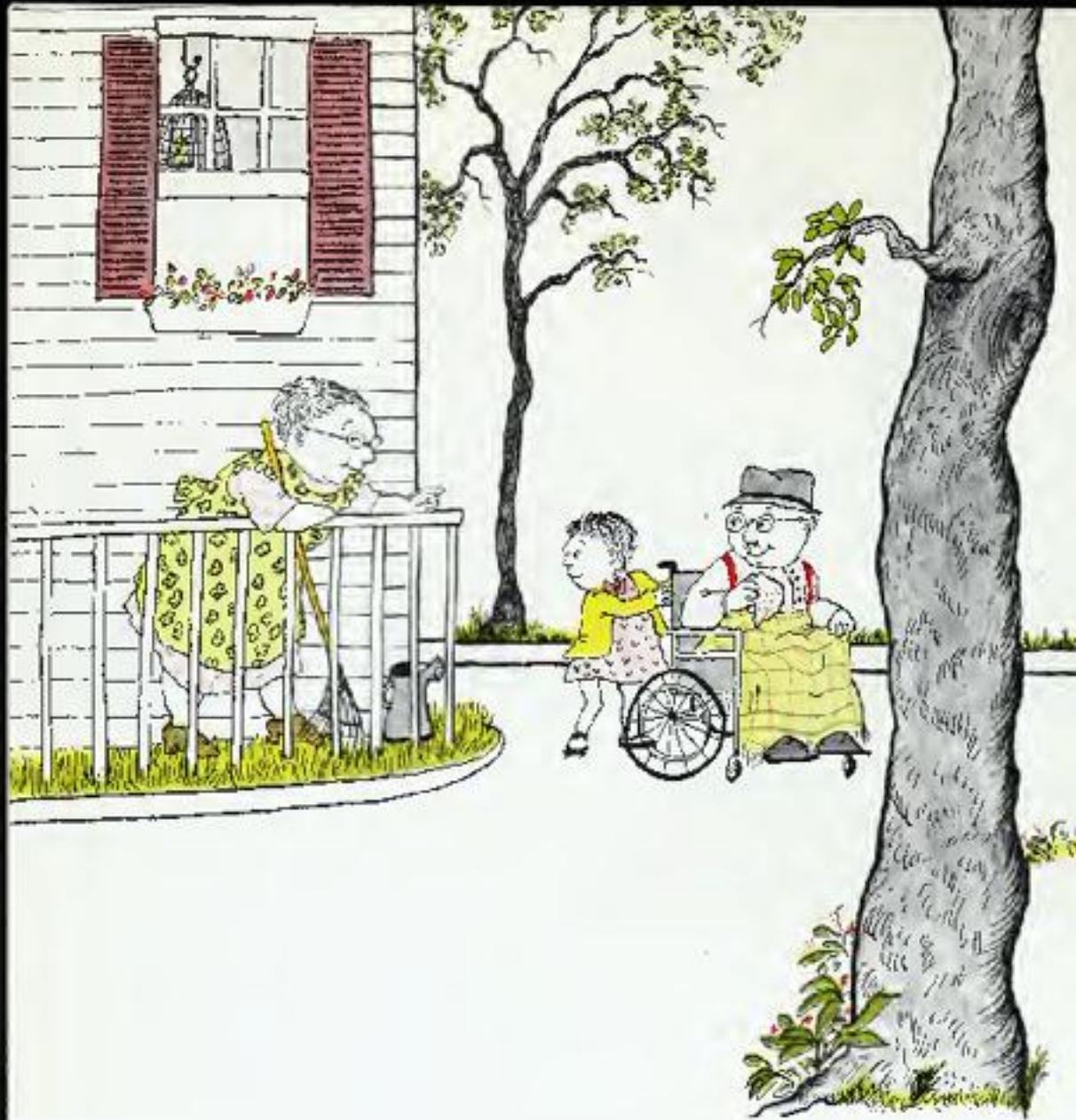
मिसेज़ प्रिंगल ने जंगले के ऊपर झुक कर कहा,
“ऐसा लगता है कि जैसे कल की बात थी,
बार्थलम्यु तुम्हें बच्चा-गाड़ी में घुमाया करते थे.”
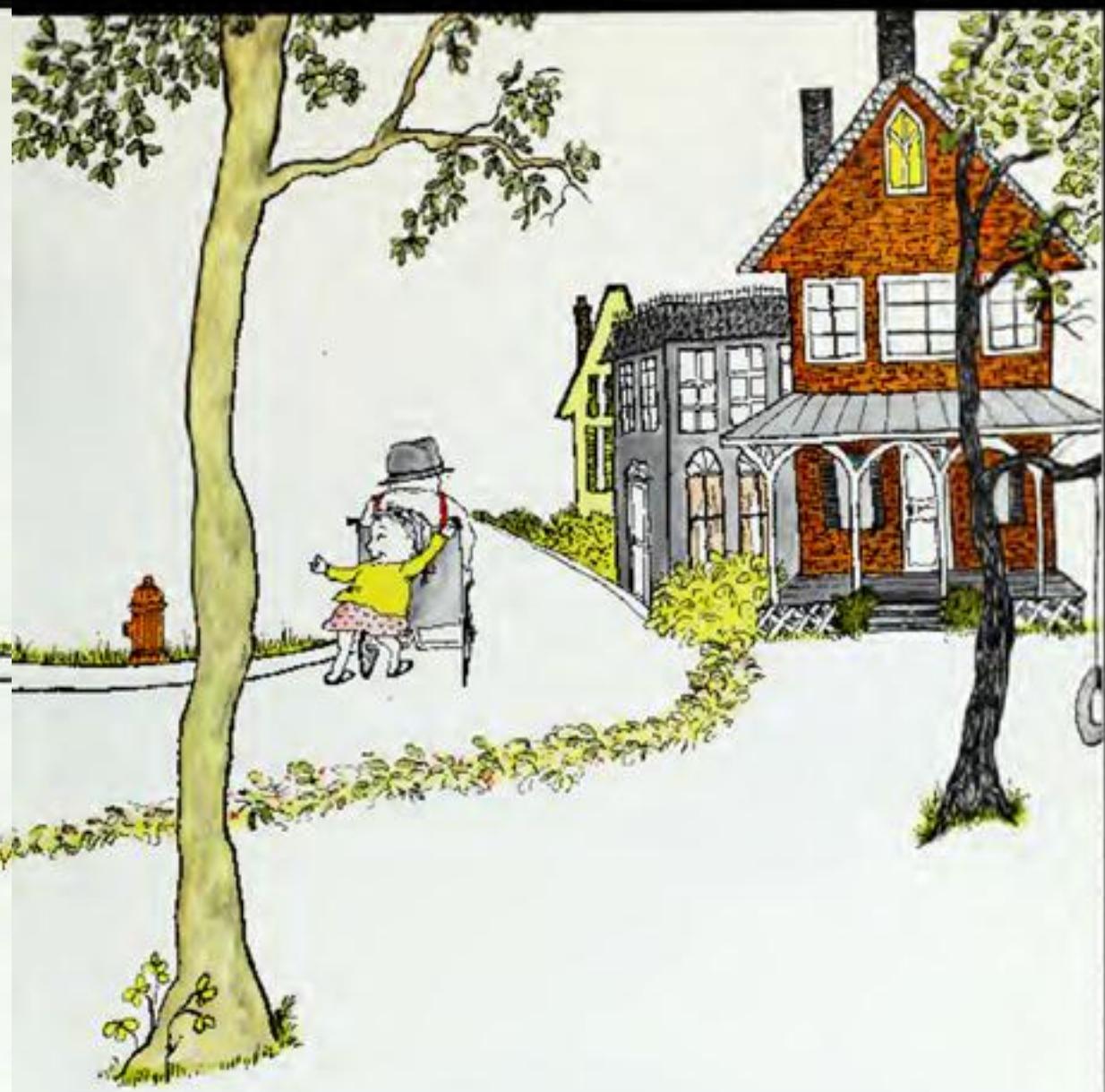
“वह तब था जब मैं छोटी थी,” नैल्ली ने कहा.
“अब धक्का देने की मेरी बारी है
और बैठने की बारी बार्थलम्यु की है....
एक प्रकार का लेन-देन.”

कपड़े सुखाने के लिए वह धूप में बैठ गये.
नैल्ली एक गाजर चबाने लगी.
बार्थलम्यु हारमोनिका पर एक धुन बजाने लगे.
नैल्ली ने देखा कि बार्थलम्यु की आँखें
प्रसन्नता से चमक रही थीं.

समाप्त